RTET 2012 Level-I

भाषा – II : संस्कृतम्

अत्र त्रिंशत् प्रश्नानि सन्ति। सर्वे प्रश्ना: समाधेया:।

प्रस्तुतं पद्यांश सम्यक् पठित्वा प्रश्न संख्या 61 त: 67 पर्यन्तं प्रश्नानाम् उत्तराणि लेखनीयानि–

सत्यानृता च परुषा प्रियवादिनी च,
हिंस्त्रा दयालुरपि चार्थपरा वदांन्या।
नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च्,
वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा।।

61. का अनेकरूपा विद्यते?

(अ) परुषा (ब) नृपनीति:
(स) वाराङ्गना (द) वदान्या। (ब)

62. "प्रियवादिनी" इत्यत्र क: प्रत्यय:?

(अ) णिनि (ब) इनि
(स) इञ् (द) नो। (अ)

63. 'नित्यव्यया' इत्यत्र समास: क:?

(अ) कर्मधारय: (ब) अव्ययीभाव:
(स) बहुव्रीहि: (द) द्विगु:। (स)

64. 'वाराङ्गनेव' इत्यत्र क: सन्धि:?

(अ) यण् सन्धि: (ब) गुण सन्धि:
(स) दीर्घ सन्धि: (द) अयादि सन्धि:। (ब)

65. श्लोकेऽस्मिन् छन्द: किम्?

(अ) उपेन्द्रवज्रा (ब) वंशस्थम्

(स) प्रहर्षिणी (द) वसन्ततिलका। (द)

66. 'सत्या' इति पदस्य विलोमं पदं किं भवेत्?

(अ) प्रियवादिनी (ब) परुषा

(स) अनृता (द) वदान्या। (स)

67. 'दयालुरपि' इत्यत्र क: सन्धि-विच्छेद :?

(अ) दयालुर + अपि (ब) दयालु: + अपि

(स) दयालुस् + अपि (द) दया + आलुर् + अपि। (ब)

68. मूल्याङ्कनं कतिविधम्?

(अ) त्रिविधम् (ब) एकविधम्

(स) द्विविधम् (द) चतुर्विधम्। (स)

69. संस्कृतभाषाशिक्षणे सर्वप्रथमं भाषाकौशलं विद्यते–

(अ) श्रवणनम् (ब) सम्भाषणम्

(स) पठनम् (द) लेखनम्। (अ)

70. 'उदाहरणानि प्रस्तूय नियमस्य कथनम्' इति क: विधि:?

(अ) सूत्रविधि: (ब) निगमनविधि:

(स) व्याख्याविधि: (द) आगमनविधि:। (द)

71. प्राचीनतम् विधि: क:?

(अ) पारायणविधि: (ब) व्याख्याविधि:

(स) सूत्रविधि: (द) आगमनविधि:। (अ)

www.gkabhi.in

72. शिक्षणं रुचिकरं कथं स्यात्?

(अ) विधिभि: (ब) कौशलै:

(स) पुस्तकै: (द) दृश्यश्रव्यसाधनै:। (द)

प्रस्तुतं गद्याशम् आधारीकृत्यं निम्नलिखित: प्रश्न सं. 73 त: 79 पर्यन्तं प्रश्ना: समाधेया:–

अथ का नाम संस्कृति:? मनस: आत्मन: च संस्कार: परिष्कार: इति संस्कृति:। संस्कृति: मन: निर्मलं करोति। विश्वसंस्कृतिषु भारतीय संस्कृति: प्राचीनतमा। भारतीय संस्कृते: आदर्शवाक्यानि सन्ति– 'सर्वे भवन्तु सुखिन:', 'वसुधैवकुटुम्बकम्', 'आत्मवत् सर्वभूतेषु', 'अहिंसा परमोधर्म:' 'मातृवत परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्' इत्यादीनि। भारतीय संस्कृति: धर्मप्रधाना, वर्णाश्रम व्यवस्थायुक्ता चास्ति। कर्मफलं, पुनर्जन्म, मोक्षवाद: च अस्या: प्रमुखा: सिद्धान्ता: सन्ति। सत्यस्य, त्यागस्य, अहिंसाया: च अत्र महत्त्वं वर्तते। विश्वहितस्य मूलभूता: भावना: भारतीयसंस्कृतौ उपलभ्यन्ते।

73. सर्वभूतेषु कीदृश: व्यवहार: करणीय:?

(अ) मातृवत् (ब) आत्मवत्

(स) पितृवत् (द) लोष्ठावत्। (ब)

74. 'वसुधैव' इत्यत्र सन्धि विच्छेद: कार्य:–

(अ) वसुधा + इव (ब) वसुधा +ऐव

(स) वसुधा + एव (द) वसुधा + ईव। (स)

75. 'लोष्ठवत्' व्यवहार: कुत्र प्रदर्शनीय:?

(अ) परदारेषु (ब) सर्वभूतेषु

(स) परद्रव्येषु (द) सर्वत्र। (स)

76. 'महत्त्वम्' इत्यत्र क: प्रत्यय:?

(अ) तमप् (ब) तत्

(स) क्त (द) त्व। (द)

77. 'संस्कृति' इत्यत्र क: उपसर्ग:?

(अ) सह (ब) सम्

(स) सु (द) स:। (ब)

78. 'कर्मफलम्' इत्यत्र क: समास:?

(अ) तत्पुरुष: (ब) कर्मधारय:

(स) बहुव्रीहि: (द) द्वन्द्व:। (अ)

79. "संस्कृति: मन: निर्मलं करोति" वाक्यामिदं लङ् लकारे परिवर्तयत–

(अ) संस्कृति मन: निर्मलं करिष्यति

(ब) संस्कृति: मन: निर्मलम् अकरोत्

(स) संस्कृति: मन: निर्मलं कर्यात्

(द) संस्कृति: मन: निर्मलम् अकुरुत। (ब)

80. परम्परागतसहायकोपकरणम् अस्ति–

(अ) दूरदर्शनम् (ब) श्यामपट्ट:

(स) मानचित्रम् (द) आकाशवाणी। (ब)

81. कस्यापि नगरस्य भौगलिकीं स्थितिं बोधयितुं कीदृशस्य पाठ्योपकरणस्य प्रयोग: करणीय:?

(अ) मानचित्रस्य (ब) पत्रकस्य

(स) रेखाचित्रस्य (द) पुस्तकस्य। (अ)

82. संस्कृतभाषा सर्वाधिक सफला भाषा कस्य कृति वर्तते?

(अ) दूरदर्शनस्य (ब) चलचित्रस्य

(स) संगणकस्य (द) आकाशवाण्या:। (स)

83. अतिलघुत्तरात्मकप्रश्नानाम् उत्तरसीमा स्यात्–

(अ) पृष्ठमेकम् (ब) वाक्यद्वयम्

(स) पञ्चवाक्यानि (द) एकं वाक्यम्। (द)

84. निबन्धात्मक परीक्षापेक्षया का परीक्षा विश्वसनीया कथ्यते?

(अ) वस्तुनिष्ठपरीक्षा (ब) भाषणपरीक्षा

(स) साक्षात्कारपरीक्षा (द) लिखितपरीक्षा। (अ)

85. अधोलिखितस्य वाक्यस्य संस्कृते अनुवादं कुरुत– वह, मैं और तुम विद्यालय जा रहे हैं।

(अ) स: त्वम् अहं च विद्यालयं गच्छन्ति

(ब) स: अहं त्वं च विद्यालयं गच्छाम:।

(स) स: अहं त्वं च विद्यालयं गच्छथ

(द) स: अहं त्वं च विद्यालयं गच्छाम:। (ब)

86. 'ऋ' वर्णस्य उच्चारणस्थानं किम्?

(अ) मूर्धा (ब) दन्ता:

(स) कण्ठ: (द) तालु। (अ)

87. वाक्यमिदं संशोधयत–

"त्वं भिक्षुकं धनं यच्छसि।"

(अ) त्वं भिक्षुकस्य धनं यच्छति (ब) त्वं भिक्षुकाय धनं यच्छसि

(स) त्वं भिक्षुकेण धनं यच्छसि (द) त्वं भिक्षुके धनं यच्छसि। (ब)

88. निम्नलिखितसूक्ते: समुचितपदेन रिक्त स्थानं पूरयत–
स्वदेशे पूज्यते राजा .... सर्वत्र पूज्यते।

(अ) विद्या (ब) धनम्

(स) विद्वान् (द) मूर्ख:। (स)

89. "अहं पुस्तकानि पठानि" वाक्यस्यास्य वाच्यपरिवर्तनं कुरुत–

(अ) मया पुस्तकान् पठ्यते (ब) मया पुस्तकानि पठ्यते

(स) मया पुस्तकानि पठ्यन्ते (द) अहं पुस्तकै: पठ्यते। (*)

90. 'व' कारस्य उच्चारण - स्थानं किम्?

(अ) दन्तोष्ठ: (ब) कण्ठोष्ठ:

(स) तालु - ओष्ठ: (द) नासिका - ओष्ठ:। (अ)

❑❑❑

For Indian GK, Rajasthan GK, Subjective Knowledge Educational Psychology, Sanskrit, Hindi etc.

Follow Website → www.gkabhi.in

Subcribe Youtube → www.youtube.com/ekanshstudy

Subcribe Youtube → https://www.youtube.com/c/GKAbhi